पाठ - स्मृति

शब्दार्थ

1. चिल्ला – कड़ी सरदी
2. पूर्व – पहले
3. शीत – ठण्ड
4. सहमा – उदास
5. कसूर – गलती
6. आशंका – डर
7. मज्जा – हड्डी के भीतर भरा मुलायम पदार्थ
8. भुँजाने – भुनवाना
9. झुरे – तोड़ना
10. मूक – गूंगा
11. प्रसन्नवदन – प्रसन्न चेहरा
12. उझकने – उचकना, पंजे के बल उचककर झाँकना
13. प्रतिध्वनि – किसी शब्द के उपरांत सुनाई पड़ने वाला उसी से उत्पन्न शब्द, गूँज
14. ज्योंही – जैसे ही
15. त्योंही – वैसे ही
16. चकित – हैरान
17. किलोलें – क्रीड़ा
18. प्रवृत्ति – मन का किसी विषय की ओर झुकाव
19. मृगशावक – हिरन का बच्चा
20. अकस्मात् – अचानक
21. ढाढ़ें – जोर-जोर से रोना
22. उद्वेग – बेचैनी,घबराहट
23. कपोल – गाल
24. दुधारी – दोनों तरफ से धर वाली, दो धरों वाली
25. दृढ़ संकल्प – पक्का विचार
26. दुविधा – परेशानी
27. विषधर – विष को धारण करने वाला
28. सजीव – जिन्दा
29. मुठभेड़ – आमना-सामना

egyanarchive

30.कड़ी – पक्की
31.आश्वासन – भरोसा, दिलासा
32.अक्ल चकराना – हैरान होना
33.अग्र – आगे
34.प्रतिद्वंद्वी – शत्रु
35.एकाग्रचित्तता – स्थिरचित्त, ध्यान
36.सूझ – तरीका, उपाय
37.चक्षुःश्रवा – आँखों से सुनने वाला
38.सहानुभूति – दया
39.मिथ्या – झूठ
40.पैंतरों – मुद्रा, तरीकों
41.अचूक – खाली न जाने वाला,निश्चित
42.अवलंबन – सहारा
43.बिदककर – चौंककर
44.उपहास – मजाक
45.चेष्टा – कोशिश
46.गुंजल्क – गुलाटी
47.छोर – किनारा
48.धौंकनी – धड़कन
49.देह – शरीर
50.ताकीद – आग्रह
51.डैने – पंख

egyanarchive

बोध प्रश्न

1. भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था?

उत्तर- भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में पिटने का डर था।

2. मक्खनपुर पढ़ने जाने वाली बच्चों की टोली रास्ते में पड़ने वाले कुएँ में ढेला क्यों फेंकती थी?

उत्तर- मक्खनपुर पढ़ने जाने के रास्ते में एक सुखा कुआँ था जिसमें साँप गिर गया था। बच्चों की टोली उस साँप की फुसकार सुनने के लिए ढेला फेंकती थी।

3. ' साँप ने फुसकार मारी या नहीं , ढेला उसे लगा या नहीं , यह बात अब तक स्मरण नहीं ' - यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?

उत्तर- उपर्युक्त कथन लेखक बदहवास मनोदशा को स्पष्ट करता है। जिस समय लेखक कुएँ में ढेला फेंक रहा था उसी वक्त उसके टोपी से चिट्ठियां गिर गयीं। उसे याद नहीं कि ढेला साँप को लगा या नहीं, साँप ने फुसकार मारी या नहीं क्योंकि उस वक्त वह बहुत डर गया था।

4.किन कारणों से लेखक ने चिट्ठियों को कुएँ से निकालने का निर्णय लिया?

उत्तर- चिट्ठियाँ लेखक के बड़े भाई ने डाकखाने में डालने के लिए दी थी। लेखक अपने बड़े भाई से बहुत डरते थे। कुएँ में चिट्ठियाँ गिरने से उन्हें अपनी पिटाई का डर था और वह झूठ भी नहीं बोल सकता था। इसलिए भी कि उसे अपने डंडे पर भी पूरा भरोसा था। इन्हीं सब कारणों से लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय किया।

5. साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या - क्या युक्तियाँ अपनाईं?

उत्तर- साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने कई युक्तियाँ अपनाईं। जैसे - साँप के पास पड़ी चिट्ठियों को उठाने के लिए डंडा बढ़ाया, साँप उस पर कूद पड़ा इससे डंडा छूट गया लेकिन इससे साँप का आसन बदल गया और लेखक चिट्ठियाँ उठाने में सफल रहा पर डंडा उठाने के लिए उसने कुएँ की बगल से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर साँप के दाई ओर फेंकी कि उसका ध्यान उस ओर चला जाए और दूसरे हाथ से डंडा खींच लिया। डंडा बीच में होने से साँप उस पर वार नहीं कर पाया।

6. कुएँ में उतरकर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- भाई द्वारा दी गई चिट्ठियाँ लेखक से कुएँ में गिर गई थी और उन्हें उठाना भी जरूरी था। लेकिन कुएँ में साँप था , जिसके काटने का डर था। परन्तु लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय लिया। उसने अपनी और अपने भाई की धोतियाँ, कुछ रस्सी मिलाकर बाँधी और धोती की सहायता से वह कुएँ में उतरा। अभी 4-5 गज ऊपर ही था कि साँप फन फैलाए हुए दिखाई दिया। उसने सोचा धोती से लटककर साँप को मारा नहीं जा सकता और डंडा चलाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। लेखक ने डंडे से चिट्ठियाँ सरकाने का प्रयत्न किया तो साँप डंडे पर लिपट गया। साँप का पिछला हिस्सा लेखक के हाथ को छू गया तो उसने डंडा पटक दिया। उसका पैर भी दीवार से हट गया और धोती से लटक गया। फिर हिम्मत करके उसने कुएँ की मिट्टी साँप के एक ओर फेंकी। डंडे के गिरने और मिट्टी फेंकने से साँप का आसन बदल गया और लेखक चिट्ठियाँ उठाने में सफल रहा। धीरे से डंडा भी उठा लिया और कुएँ से बाहर आ गया। वास्तव में यह एक साहसिक कार्य था।

egyanarchive

7. इस पाठ को पढ़ने के बाद किन - किन बाल - सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है?

उत्तर-

1. मौसम अच्छा होते ही खेतों में जाकर फल तोड़कर खाना।
2. स्कूल जाते समय रास्ते में शरारतें करना।
3. रास्ते में आए कुएँ, तालाब, पानी से भरे स्थानों पर पत्थर फेंकना, पानी में उछलना।
4. अपने आपको सबसे बहादुर समझना आदि अनेकों बाल सुलभ शरारतों का पता चलता है।

8. ' मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी - कभी कितनी मिथ्या और उल्टी निकलती हैं ' – का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- मनुष्य अपनी स्थिति का सामना करने के लिए स्वयं ही अनुमान लगाता है और अपने हिसाब से भावी योजनाएँ भी बनाता है। परन्तु ये अनुमान और योजनाएँ पूरी तरह से ठीक उतरे ऐसा नहीं होता। कई बार यह गलत भी हो जाती हैं। जो मनुष्य चाहता है, उसका उल्टा हो जाता है। अतः कल्पना और वास्तविकता में हमेशा अंतर होता है।

9. 'फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है' – पाठ के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- लेखक जब कुएँ में उतरा तो वह यह सोचकर उतरा था कि या तो वह चिट्ठियाँ उठाने में सफल होगा या साँप द्वारा काट लिया जाएगा। फल की चिंता किए बिना वह कुएँ में उतर गया और अपने दृढ़ विश्वास से सफल रहा। अतः मनुष्य को कर्म करना चाहिए। फल देने वाला ईश्वर होता है। मनचाहा फल मिले या नहीं यह देने वाले की इच्छा पर निर्भर करता है। लेकिन यह भी कहा जाता है, जो दृढ़ विश्वास व निश्चय रखते हैं, ईश्वर उनका साथ देता है।

egyanarchive